मूल्य 1 रु.
वर्षः 14 - अंक : 335, मुंबई, बुधवार, 19 मार्च, 2025 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®
अब हर सच होगा उजागर

DESI VILLAGE
RESTAURANT & CAFE
DUBAI

NAGPUR VIOLENCE

विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के खिलाफ एफआईआर दर्ज

धार्मिक भावनाएं आहत करने के लगाया गया आरोप

नागपुर। महाराष्ट्र के नागपुर में मुगल बादशाह औरंगजेब की कब्र को हटाने की मांग को लेकर विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल द्वारा किए गए प्रदर्शन के बाद हिंसा भड़क गई। इस हिंसा में कई घरों और प्रतिष्ठानों में तोड़फोड़ की गई साथ ही कुछ वाहनों में आगजनी भी की गई। इस दौरान पुलिस पर भी हमला किया। अब इस मामले में बड़ी जानकारी सामने आ रही है। औरंगजेब की कब्र को हटाने की मांग को लेकर किए गए प्रदर्शन के दौरान कथित तौर पर धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के लिए पुलिस ने विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कुछ पदाधिकारियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि गणेशपेठ थाने में महाराष्ट्र और गोवा के विहिप प्रभारी सचिव गोविंद शेंडे व अन्य के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

कोई सहरी का दूध लेने गया तो किसी को पकड़नी थी ट्रेन, परिवारों को अस्पताल से आया कॉल और पैरों तले फिसली जमीन

महाराष्ट्र के नागपुर शहर में बीते सोमवार को दो गुटों में हिंसक झड़प हो गई। इस झड़प ने हिंसा का मोड़ ले लिया और आगजनी तक बात चली गई। महाराष्ट्र के नागपुर में हिंसा प्रभावित क्षेत्रों के लोगों के परिजनों के लिए यह समझना मुश्किल है कि कैसे उनके अपने, अस्पतालों में पहुंच गए और अब अपने जीवन के लिए संघर्ष कर रहे हैं। बड़े नवाज नगर के निवासी इमरान अंसारी अपने बड़े भाई इरफान अंसारी की गंभीर हालत को लेकर सदमे में हैं।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

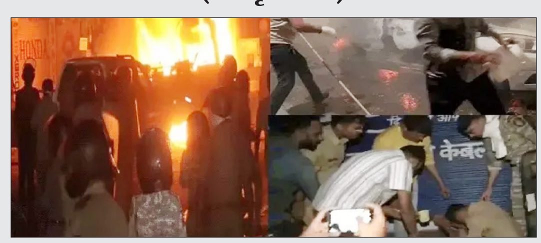

शिंदे ने उद्धव ठाकरे को फिर दिया झटका

डिप्टी सीएम बोले- खोखे का आरोप लगाने वालों को वोटरों ने खोखे में बंद किया

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। विधानसभा चुनाव के बाद पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की पार्टी शिवसेना (यूबीटी) में भगदड़ एक बार फिर से तेज होने लगी है। ऐसा मंगलवार को भी देखने को मिला, जब यूबीटी के दापोली के पूर्व विधायक संजय कदम, छत्रपति संभाजी नगर के पूर्व विधायक भाऊसाहेब पाटिल चिकटगांवकर के साथ मुंबई के तीन पूर्व नगरसेवक, जनप्रतिनिधि और सैकड़ों कार्यकताओं ने मंगलवार को उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की शिवसेना में शामिल हुए। इस पक्ष प्रवेश से उत्साहित डिप्टी सीएम शिंदे ने कहा कि सरकार पर खोखे लेने का आरोप लगाने वालों को मतदाताओं ने विधानसभा चुनाव में खोखे में बंद कर दिया।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

परेल रेलवे स्टेशन का हुआ कायाकल्प

विक्रोली और कांजुरमार्ग स्टेशन का भी बदला जा रहा है रूप

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत कई स्टेशनों का रूप बदला जा रहा है, उसी के तहत मुंबई स्थित मध्य रेलवे के परेल स्टेशन की भी कायापलट की गई है। कुछ दिनों पहले ही इसका काम पूरा कर लिया गया है। नई बिल्डिंग में एलिवेटेड पार्किंग, विशाल बुकिंग ऑफिस समेत कई अन्य सुविधाएं बनाई गई है। इस अपग्रेडेशन की लागत 19.41 करोड़ रुपये है, जिससे 37,000 से अधिक यात्रियों को लाभ मिलने की उम्मीद है। इस काम को 2023 में लॉन्च किया गया था। स्टेशन की इमारत में ही शामिल पार्किंग स्थल, जल्द ही जनता के लिए खोल दिया जाएगा।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

क्या है अमृत भारत स्टेशन योजना?

गौरतलब है कि अमृत भारत स्टेशन योजना का उद्देश्य रेलवे स्टेशनों को बेहतर यात्री सुविधाओं, बेहतर यातायात परिसंचरण, उन्नत साइन बोर्ड के साथ आधुनिक केंद्रों में बदलना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रेलवे स्टेशनों के विकास और पुनर्विकास के लिए 6 अगस्त 2023 को अमृत भारत स्टेशन योजना का शुभारंभ किया था।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

नीति बदल चुकी है

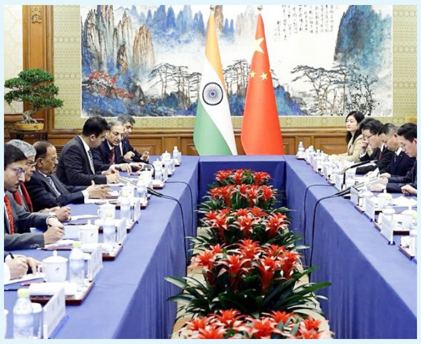

लद्दाख सेक्टर में बने बफर जोन्स का मुद्दा कायम है। सीमा विवाद पर चीन ने किसी बड़ी रियायत के मूड में हो, इसका संकेत नहीं है। उसके बावजूद संबंध बेहतर हो रहे हैं। तो क्या भारत की नीति बदल गई है?

भारत और चीन के बीच– कम से कम बयानों में– नया माहौल बना दिखता है। पिछले साल अप्रैल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अमेरिकी पत्रिका न्यूजवीक को दिए इंटरव्यू में की गई टिप्पणी से शुरूआत हुई थी और इस हफ्ते एक अमेरिकी पॉडकास्टर से उनकी बातचीत में उनकी टिप्पणी ने इसे नए मुकाम पर पहुंचाया है। मोदी ने भारत– चीन के बीच गहरे रहे ऐतिहासिक संबंधों की चर्चा की, चीन पर गौतम बुद्ध के प्रभाव का उल्लेख किया, और भविष्य को उस अतीत से जोड़ने की इच्छा जताई। कहा कि दोनों पड़ोसी देश हैं, जिनके बीच समय–समय पर मतभेद उभरना लाजिमी है। लेकिन मतभेद को विवाद में तब्दील नहीं होने देना चाहिए। फिर कहा कि दोनों देशों के बीच सीमा विवाद है, 2020 में वहां कुछ(अवांछित) घटनाएं हुईं, लेकिन अब उनसे उबर कर दोनों देश संबंध को सामान्य बना रहे हैं। इसमें उत्साह एवं उमंग लौटने में अभी वक्त लगेगा। मगर इन बातों से चीन उत्साहित हुआ है। चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता कहा– दोनों देश सफलता एवं उपलब्धियों में द्विपक्षीय भागीदार हैं। ड्रैगन–हाथी के नृत्य जैसा सहयोग ही दोनों देशों के सामने अकेला सही विकल्प है। पड़ोसियों के बीच संबंध बेहतर हों, यह सबकी अपेक्षा रहती है। मगर प्रश्न है कि फिलहाल संबंधों में हो रहे सुधार की शर्तें क्या हैं। 2020 के बाद से लंबे समय तक भारत सरकार की ओर से लगातार कहा गया कि सीमा पर असामान्य स्थिति मौजूद रहते हुए बाकी संबंध सुधर नहीं सकते। जबकि चीन की दलील रही कि सीमा विवाद हल होने में लंबा समय लगेगा। इस बीच दोनों देशों को व्यापार, जन संपर्क, एवं अंतरराष्ट्रीय सहयोग के क्षेत्रों में संबंधों को बढ़ाते रहना चाहिए। अब प्रधानमंत्री ने जो कहा है, उससे संकेत मिलता है कि भारत ने इसी लाइन को मंजूर कर लिया है। लद्दाख सेक्टर में बने बफर जोन्स का मुद्दा अभी कायम है। दरअसल, सीमा विवाद पर चीन ने किसी बड़ी रियायत के मूड में हो, इसका संकेत नहीं है। उसके बावजूद संबंध बेहतर हो रहे हैं, तो कहने का आधार बनता है कि भारत की नीति बदल गई है।

जोलीग्रांट एयरपोर्ट के एंटी हाइजैकिंग नियंत्रण कक्ष में एयरपोर्ट एरोड्रोम कमेटी की प्रथम बैठक उत्तराखंड की विशेष सचिव गृह रिद्धिम अग्रवाल की अध्यक्षता में हुई

मुंबई हलचल/संवाददाता

देहरादून। जोलीग्रांट एयरपोर्ट के एंटी हाइजैकिंग नियंत्रण कक्ष में एयरपोर्ट एरोड्रोम कमेटी की प्रथम बैठक उत्तराखंड की विशेष सचिव गृह श्रीमती रिद्धिम अग्रवाल की अध्यक्षता में हुई जिसमें अकस्मात विमान अपहरण किये जाने की स्थिति से निपटने और उस के तत्काल समाधान पर विस्तार से जानकारी साझा की गई। एयरपोर्ट ऑथरिटी के निदेशक प्रभाकर मिश्र सहित अनेक सम्बन्धित विभागों के अधिकारियों के द्वारा एन्टी हाईजैकिंग के समय पेश आने वाली समस्याओं के समाधान हेतु सुझाव व उपायों के साथ

साथ परीक्षण व स्मोक ड्रिल की गई। ड्रिल में अस्थाई विमान को अपहरण कर उसके लिए सेना, एयरफोर्स, अग्निशमन विभाग, स्वास्थ्य विभाग, स्थानीय प्रशासन, पुलिस विभाग, के अधिकारियों व कर्मचारियों ने त्वरित उपाय व नियोजित एन्टी हाइजैकिंग स्कीम कर विमान को आप मुक्त कराने की प्रक्रिया को अंजाम दिया। इस अवसर पर दून विश्विद्यालय से प्रोफेसर मधुरेन्द्र झा को चीनी भाषा के और उत्तराखंड उत्तराखंड उर्दू अकादमी के पूर्व उपाध्यक्ष डा अफजल मंगलोरी को उर्दू भाषा के ज्ञाता के रूप में समिति शामिल किया गया। इस बैठक व स्मोक एक्सरसाइज में सी आई एस एफ के डिप्टी कमांडेंट श्री एन पी एस मुंग, सेना से ब्रिगेडियर हरीश सोनी,लेफ्टिनेंट कर्नल आई के गुरुंग, एयरफोर्स से नीरज शर्मा, स्टेशन मैनेजर आरती शर्मा, एयर इंडिया के स्टेशन हेड आशीष कुमार, आई बी से अशोक सती, उपनिदेशक बी सी ए एस मनीष कुमार, मुख्य सुरक्षा अधिकारी विपिन यादव अमित कुमार आदि शामिल हुए।

रमजान पर विशेष प्रस्तुति : एक गलतफहमी और उसका निवारण, सच्चे और अच्छे मुसलमान की पहचान

आज कितने लोग हैं जो दीन को पूरी तरह समझते हैं? मुसलमान बन जाना कोई बड़ी बात नहीं है, बड़ी बात तो तब है जब इंसान ईमान की रोशनी से परिपूर्ण हो क्योंकि ईमान ही वह रोशनी है जिसकी मदद से इंसान अपने जिस्म के साथ-साथ अपने रूह को भी पाक कर सकता है। फिर मुसलमान इस रोशनी से अछूता क्यों? क्यों अल्लाह तआला के हुक्मों को नहीं मानता? क्या वजह है कि वह अपने रसूल हजरत मोहम्मद सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम की सुन्नतों (आचरण) से दूर भागता है? क्या ऐसे ही लोगों को मुसलमान कहते हैं? नहीं मुसलमान का मतलब तो आज्ञाकारी होता है फिर क्या वजह है कि इंसान ऊपर वाले की आज्ञाओं की अवहेलना करता है। ईमान से तो बदसूरत इंसान भी खूबसूरत हो जाते हैं फिर मुसलमान इतने खूबसूरत क्यों नहीं होते? इसका जवाब है आपके पास अगर है तो हमें भी जवाब जरूर लिखें हम भी जिंदगी की सच्चाई से वाकिफ होना चाहते हैं।

आपकी बहन रश्मि रीवा (27 मई सन... ई.)

आज से तकरीबन कई साल पहले जब मैं काफी छोटा सा और हाई स्कूल में शिक्षा ग्रहण कर रहा था उसे समय एक गैर मुस्लिम बहन ने मुझसे एक सवाल पूछा और उसका जवाब मुझे उस वक्त मालूम ना हुआ और मैंने अपने धनपुरी के कई मस्जिदों के इमाम जो अपने आप को आलिम मौलाना कहलाने वाले थे उनसे पूछा पर सभी ने जवाब देने से अपनी असमर्थता व्यक्त कर दी पर अल्लाह के करम से और अपनी मां की दुआ से मैंने इस सवाल का बेहतरीन जवाब उस बहन की सेवा में प्रस्तुत किया उस सवाल के जवाब को पढ़ने के बाद उसने पहली बार में क्षमा चाहते हुए बहुत ही प्रसन्नता व्यक्ति की और वह जवाब आप सभी के जानकारी और मार्गदर्शन के लिए प्रस्तुत किया जाता है

मेरी प्रिय बहन रश्मि जी आदाब आपका खत मिल पढ़कर बहुत खुशी हुई आपको खत भेजने में जरा देर हुई उसके लिए मैं आपसे माफी चाहता हूं उम्मीद है कि आप दरगुजर फरमाएगी। जो दलील मैंने आपकी खिदमत में भेजी थी वह आखिरत (परलोक) को न मानने वालों के लिए थी। जो कि आखिरत इंकार करते हैं पर जब आदमी ईमान ले आता है और अल्लाह से इबादत के जरिए अपना ताल्लुक बनता है उसकी

करीबी हासिल करता है तो खुदा की तरफ से उसे इल्मे कश्फ (आत्म शक्ति द्वारा गुप्त बातों का ज्ञान) पैदा होता है। जिससे उसके पास वह दिल वह दिमाग ऑख होती है कि वह जान सके कि आखिरत क्या है? और आखिरत कि जिंदगी क्या है जैसा कि अपने सवाल किया है कि मुसलमान दीन से दूर क्यों है? इससे आपकी सोच एवं मानसिकता का पता चलता है कि आपको इस्लाम और मुसलमानों के बारे में पूर्ण ज्ञान नहीं है। लगता है कि अभी तक अपने नाम मात्र के मुसलमान को ही देखा है अल्लाह के रसूल हजरत मोहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम के सच्चे पैरोपकार (अनुयायियों) व अल्लाह के आज्ञाकारी बंदो को नहीं देखा है। जो ईमान वाला मुसलमान होगा वह तमाम गलत लोगों से हटकर पूर्ण मुसलमान होगा। अगर कोई मुसलमान एक ऐसा मुसलमान जिसके पास सही इल्म और ज्ञान नहीं है जो दीन से दूर है और उसका आचरण सही नहीं है तो आप इस आधार पर सभी मुसलमान को दीन से दूर या गलत नहीं कह सकती है। यहां पर एक दलील पेश कर रहा हूं जो आपके मार्गदर्शन के लिए काफी होगी। प्रसिद्ध यूरोपीय विचारक एवं विश्व विख्यात इंग्लैंड पॉप गायक कैंट स्टीवन्स जी कहते हैं कुछ खराब मुसलमान के व्यवहार की रोशनी में सभी मुसलमान के बारे में कोई फैसला करना सही नहीं होगा। ऐसे ही कुछ मुसलमानों की गतिविधियों को मीडिया पर हमेशा दिखाया जाता है यह तो ऐसे ही है जैसे हम किसी कार के बारे में फैसला करें कि वह बुरी है जिसे नशे में धुत्त ड्राइवर ने किसी दीवार से टकरा कर दिया हो।

इस्लाम सभी मनुष्य की रोजमर्रा की जिंदगी के लिए मार्गदर्शन है वह आध्यात्मिक मानसिक और भौतिक सभी पहलुओं से मार्गदर्शन करता है। लेकिन हमें इन निदेर्शों के स्त्रोतों की तलाश कुरआन और पैगंबरे इस्लाम हजरत मोहम्मद सल्लल्लाहो अलैह सल्लम के सुन्नतों (आचरण) में करनी चाहिए तभी हम इस्लाम के आदर्श रूप को देख सकते हैं। बाद में उन्होंने इस्लाम की हकीकत को स्वीकार कर लिया अब इनका नाम यूसुफ इस्लाम है और इनका का पता है चेयरमेन मुस्लिम ऐड, 3 पलांग रोड लंदन, एन 7 यू .के.। जैसा कि आपने पूछा है कि क्या वजह है कि इंसान ऊपर वाले की आज्ञाओं की अवहेलना करता है। ऊपर वाले का हुकुम और आदेश ही सच्चा है सच्ची बातें कड़वी लगती है और सच्चाई का रास्ता मुसीबत और काटों से भरा होता है। इसकी वजह यह नहीं की सच्चाई में कोई खोट है या सच्चाई का रास्ता दूषित रास्ता है बल्कि इसकी वजह इंसान का अपना स्वभाव है और उसकी अपनी कामनाएं उसका अपना स्वार्थ है। अगर उसे अल्लाह की रहनुमाई ना मिली हो और मनमानी करने का पूरा मौका हासिल हो तो वह केवल वही करेगा जो उसका दिल का चाहेगा, उसे अपना सुख, अपना आराम अपना स्वार्थ ही सबसे प्यारा होगा इसके अलावा ना वह कुछ सोचेगा ना इससे ऊपर उसका कोई काम करेगा, लेकिन सच्चाई का रास्ता इससे भिन्न है वह नि;स्वार्थ भाव चाहता है क्षमा चाहता है त्याग चाहता है सेवा भाव चाहता है निष्ठा चाहता है मानवता चाहता है सदायता और भलाई चाहता है यह सब चीजे स्वार्थ से टकराती है और सच्चाई का विरोध होने लगता है और सच्चाई के रास्ते में कांटे बिछा दिए जाते हैं इसलिए जो लोग सच्चाई और सच्चे रास्ते पर आगे बढ़ना चाहते हैं उन्हें अनिवार्य रूप से मुसीबतों और कांटों का सामना करना पड़ता है यह सामना व्यक्तिगत रूप से भी करना पड़ता है और साहमूहिक रूप से भी करना पड़ता है पर अंत मे विजय सच्चाई की ही होती है। आशा है कि आपके सवालों का जवाब मिल गया होगा सा धन्यवाद आपका भाई साजिद खान धनपुरी। (संपादन प्रभाग)

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक–**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई–68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी–2–301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर,
एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादकः **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

जिप्रोक इंडिया ने आईटीआई वाडा में कौशल प्रशिक्षण केंद्र का उद्घाटन किया

मुंबई। सेंट-गोबेन जिप्रोक इंडिया को आईटीआई वाडा कौशल प्रशिक्षण केंद्र के उद्घाटन की घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है, जो अपनी तरह की पहली पहल है जिसका उद्देश्य छात्रों को ड्राईवॉल और फाल्स सीलिंग ट्रेड में भविष्य के लिए तैयार कौशल से लैस करना है। पालघर के जिला व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण अधिकारी श्री महेश सेदम के साथ जिप्रोक इंडिया के प्रमुख प्रतिनिधियों ने उद्घाटन समारोह में उपस्थित होकर इसकी शोभा बढ़ाई। यह महत्वपूर्ण समारोह कौशल विकास में एक परिवर्तनकारी यात्रा की शुरूआत का प्रतीक है। यह पहल निर्माण उद्योग की बढ़ती मांगों को पूरा करने के लिए एक उच्च कुशल कार्यबल बनाने के लिए जिप्रोक इंडिया की प्रतिबद्धता को पुष्ट करती है। यह जिप्रोक इंडिया का 10वां कौशल प्रशिक्षण केंद्र और सरकारी आईटीआई के साथ इसका पहला सहयोग है। सरकारी

औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) वाडा के सहयोग से विकसित यह केंद्र संरचित शिक्षा (स्ट्रक्चर्ड लर्निंग) प्रदान करके व्यावसायिक प्रशिक्षण को पुनः परिभाषित करने के लिए तैयार है जो शैक्षणिक ज्ञान और उद्योग की आवश्यकताओं के बीच के गैप को समाप्त करता है। निर्माण प्रौद्योगिकी में तेजी से प्रगति और कुशल पेशेवरों की बढ़ती मांग के साथ, यह पहल छात्रों को उद्योग के मानकों को ऊपर उठाते हुए उच्च-विकास वाले करियर के अवसरों के लिए तैयार करेगी। सैद्धांतिक निर्देश और व्यावहारिक प्रशिक्षण के माध्यम से, छात्र आधुनिक इंटीरियर और निर्माण परिदृश्य में सफलता के लिए आवश्यक नवीनतम पद्धतियों, सामग्रियों और उपकरणों में काम करने की कुशलता हासिल करेंगे। इस कौशल-निर्माण पहल में निवेश करके, जिप्रोक इंडिया व्यक्तियों को सशक्त बना रहा है और उद्योग की दीर्घकालिक स्थिरता और दक्षता में योगदान दे रहा है। इस अवसर पर बोलते हुए, सेंट-गोबेन जिप्रोक इंडिया की वीपी सेल्स एंड मार्केटिंग गायत्री ओझा ने कहा, आईटीआई वाडा कौशल प्रशिक्षण केंद्र उद्योग में कौशल उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के हमारे मिशन में एक मील का पत्थर है। उद्योग अनुकूल प्रशिक्षण प्रदान करके, हम न केवल पेशेवरों की अगली पीढ़ी को आकार दे रहे हैं, बल्कि टिकाऊ निर्माण प्रथाओं में नए मानक भी स्थापित कर रहे हैं। जिप्रोक में, हम इस क्षेत्र में नए विचारों और दक्षता को बढ़ावा देने के लिए सही विशेषज्ञता वाले व्यक्तियों को सशक्त बनाने में विश्वास करते हैं। सेंट-गोबेन जिप्रोक इंडिया नए विचारों, प्रतिभा विकास और उद्योग सहयोग के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत करते हुए टिकाऊ निर्माण समाधानों में अग्रणी बना हुआ है। कौशल निर्माण पहलों में निवेश करके, कंपनी का लक्ष्य एक ऐसा कार्यबल विकसित करना है जो न केवल तकनीकी रूप से कुशल हो बल्कि वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं के अनुसार काम भी कर सके, ताकि अंतरराष्ट्रीय निर्माण परिदृश्य में भारत की स्थिति और मजबूत हो।

कला रमेश स्मृति सम्मान से सम्मानित किए गए मास्टर राज दीपक सोनवणे

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। पत्रकार सुरक्षा एवं कल्याण के लिए प्रतिबद्ध अखिल भारतीय पत्रकार संगठन प्रेस क्लब ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट्स पंजीकृत की राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य रही स्वर्गीय कला रमेश की 63वीं जयंती के अवसर पर आज संगठन की राष्ट्रीय संगठन महासचिव श्रीमती शशि दीप मुंबई द्वारा स्वर्गीय कला रमेश के पति श्री रमेश राजारमन के सहयोग से मुंबई निवासी मास्टर राज दीपक सोनवणे पुत्र दर्शना दीपक सोनवणे को कला रमेश स्मृति सम्मान से सम्मानित किया। शशि दीप मुंबई

के अनुसार स्वर्गीय श्रीमती कला रमेश (विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की परामर्शदाता) की स्मृति में दिया जाने वाला यह सम्मान वंचित बच्चों, विशेषकर विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की सुरक्षा, कल्याण और शिक्षा के प्रति उनकी चिंता के लिए प्रदान किया जाता रहा है। मुंबई कांदिवली ठाकुर विलेज में आयोजित इस छोटे से गरिमामय अनुष्ठान में शशि दीप के सम्मानीय मित्रगण रफत अमीन, मिताली रथ, अंजलि पाटिल, अंजली निगम, रेखा गोयल, आरती चव्हाण, अमीषा टेलर आदि तथा दर्शना के परिवार के सदस्य साक्षी बने। शशि दीप ने सभी उपस्थित जनों को कला रमेश का परिचय देते हुए इस सम्मान के उद्देश्य के बारे में अवगत कराया। प्रेस क्लब ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट्स के संस्थापक अध्यक्ष डॉ सैयद खालिद कैस, कला रमेश जी के परिजन, दिल्ली इकाई हेड नीना गोयल, महासचिव शाकिर मलिक, राष्ट्रीय संगठन सचिव कोलकाता की शाश्वती दास ने राज सोनवणे को बधाई दी तथा उज्जवल भविष्य की कामना की है।

ऋतु पंवार मास्क टी.वी के दो बेब सीरीज और बहू हमारी अनमोल सीरियल में नजर आएगी

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। मुंबई के स्क्रीन जगत की अभिनेत्री ,मॉडल ऋतु पंवार ने मास्क टी वी के लिए बन रही दो बेब सीरीज एन ओल्ड लेडी तथा जीरो बजट के साथ साथ टी सीरीज के बन रहे हरियाणवीं गाने में काम करने जा रही हैं। ओर उन्होंने बताया कि अतरंगी चैनल के लिए सीरियल बहू हमारी अनमोल कर रही हूं। जो दर्शक अतरंगी चैनल पर हमारे काम को देखा जा सकता है।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के खिलाफ एफआईआर दर्ज

मध्य नागपुर के महल इलाके के चिटनिस पार्क में सोमवार शाम करीब साढ़े सात बजे हिंसा भड़क उठी। पुलिस पर पथराव किया गया। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा बल शहर में 11 अति संवेदनशील स्थानों पर गश्त कर रहे हैं और पूरे शहर में नाकाबंदी की गई है। अधिकारियों ने बताया कि इलाके में यह अफवाह फैली कि छत्रपति संभाजीनगर जिले में स्थित औरंगजेब की कब्र को हटाने की मांग को लेकर विहिप के आंदोलन के दौरान एक समुदाय के धर्म ग्रंथ को जला दिया गया। उन्होंने बताया कि आंदोलन के बाद प्रदर्शनकारियों के खिलाफ शिकायत दर्ज की गई थी, जिसमें एक समुदाय की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने का आरोप लगाया गया। गणेशपेठ थाने के एक अधिकारी ने बताया कि शिकायत के आधार पर प्राथमिकी दर्ज की गई है। उन्होंने बताया कि विहिप और बजरंग दल के पदाधिकारियों के खिलाफ प्राथमिकी में अमोल ठाकरे, डॉ. महाजन, तवानी, रजत पुरी, सुशील, वृषभ अर्खेल, शुभम और मुकेश बारापात्रे के नाम भी शामिल हैं।

कोई सहरी का दूध लेने गया तो किसी को पकड़नी थी ट्रेन

पेशे से वेल्डर इरफान को नागपुर रेलवे स्टेशन से रात एक बजे इटारसी जाने वाली ट्रेन पकड़नी थी, जिसके लिए वह सोमवार रात करीब 11 बजे घर से निकले थे। नागपुर रेलवे स्टेशन का इलाका हिंसा प्रभावित था। यह हिंसा छत्रपति संभाजीनगर जिले में स्थित औरंगजेब की कब्र को हटाने की मांग को लेकर विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के विरोध प्रदर्शन से भड़की थी। परिवार को इंदिरा गांधी राजकीय मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (आईजीजीएमसीएच) से फोन के माध्यम से सूचना मिली कि एक दुर्घटना के बाद इरफान को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इमरान ने मंगलवार को बताया कि उनके भाई के सिर में गंभीर चोटें आई हैं और एक पैर फ्रैक्चर हो गया है। उन्होंने बताया कि वह फिलहाल आईसीयू में हैं।

परेल रेलवे स्टेशन का हुआ कायाकल्प

अधिकारी ने बताया कि वर्तमान में परेल स्टेशन पर स्वच्छ भारत से प्रेरित सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट, स्वच्छ वातावरण के लिए आकर्षक लैंडस्केपिंग से सुसज्जित प्लेटफॉर्म और उन्नत यात्री सुविधाएं शामिल हैं। इसके अलावा अतिरिक्त लिफ्ट, एस्केलेटर, साइन बोर्ड, ऑफिस, और विकलांगों के अनुकूल सुविधाओं सहित सभी यात्रियों के लिए समावेशिता के लिए एक अटूट प्रतिबद्धता के साथ बेहतर कनेक्टिविटी दी गई है।

शिंदे ने उद्धव ठाकरे को फिर दिया झटका

उद्धव ठाकरे की पार्टी द्वारा कसे जाने वाले 50 खोखे के तंज पर पलटवार करते हुए डिप्टी सीएम शिंदे ने कहा कि 50 खोखे नहीं बल्कि विकास कार्यों के लिए हमने 3 हजार खोखे (करोड़) दिए हैं। हमने पिछले ढाई वर्षों में विधायकों को विकास कार्यों के लिए तीन हजार करोड़ रुपए की निधि दी है।

काई इंडिया का 5-ब्लेड एक्सफिट रेजर-महिलाओं के लिए इफेक्टिव शेविंग का ट्रस्टेड सॉल्यूशन

मुंबई। कूल ड्रेसेज पहनना पसंद करते हैं। लेकिन यह तब तक ही अच्छा लगता है जब तक त्वचा पर अनचाहे बाल न दिखने लगें। जैसे ही बाल नजर आते हैं, सैलून जाने की चिंता सताने लगती है, और गर्मी में बार-बार बाहर जाना भी मुश्किल होता है। आपकी इसी जरूरत को ध्यान में रखते हुए, काई इंडिया महिलाओं के लिए खासतौर पर डिजाइन किया गया एक्सफिट रेजर लेकर आया है। इसकी मदद से आप घर बैठे आराम से अनचाहे बालों से छुटकारा पा सकती हैं, वो भी बिना सैलून जाने की टेंशन के। क्रॉसफिट रेजर 5 ब्लेड्स सिस्टम रेजर और 2 कार्टिज के साथ आते हैं, इनका मल्टीडायरेक्शनल हैड हर कर्व पर आसानी से बालों को शेव कर सकता है। ऐसे में यह वैक्सिंग की तुलना में अनचाहे बाल निकालने का आसान और दर्द रहित तरीका है। टाइटेनियम और एनसीएटी से कोटेड 5 ब्लेड्स वाले ये रेजर बहुत छोटे बालों को भी आसानी से निकाल देते हैं। ये एलोवेरा और विटामिन-ई से युक्त लुब्रिकेटिंग स्ट्राइप के साथ आते हैं, इसलिए इनके इस्तेमाल से त्वचा को कोई नुकसान नहीं होता। अच्छी बात यह है कि इससे डैड स्किन भी निकल जाती है और त्वचा बेहद कोमल एवं मुलायम दिखने लगती है। इस अवसर पर श्री हितेश सिंगला, हेड ऑफ मार्केटिंग, काई इंडिया ने कहा, अपनी समृद्ध जापानी विरासत और प्रिसीजन ब्लेड-मेकिंग विशेषज्ञता के साथ, काई इंडिया एक्सफिट रेजर ऑफर करता है, जो महिलाओं के लिए शेविंग को आसान, प्रभावी और सुविधाजनक बनाता है। हमारा उद्देश्य महिलाओं को ऐसा समाधान देना है, जिससे वे घर पर ही आराम से अनचाहे बालों से छुटकारा पा सकें, बिना सैलून जाने की परेशानी के। 5 ब्लेड्स, टाइटेनियम और NCAT कोटिंग के साथ, यह रेजर बेहद छोटे बालों को भी आसानी से निकाल देता है।

कश्मीर पर पाकिस्तान के 'आक्रमण' को पश्चिम यूएन ने दी 'विवाद' की शक्ल: एस जयशंकर

राजधानी में आयोजित रायसीना संवाद के एक अहम सत्र को संबोधित करते हुए बोले विदेश मंत्री

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने मंगलवार को राजधानी में आयोजित रायसीना संवाद-2025 के दूसरे दिन 'सिंहासन और कांटेः राष्ट्रों की अखंडता की रक्षा' नामक एक महत्वपूर्ण सत्र को संबोधित किया। जिसमें उन्होंने कश्मीर पर पाकिस्तान के अवैध कब्जे समेत कई जरूरी मुद्दों पर भारत की राय से दुनिया को रूबरू कराया। कश्मीर पर पाकिस्तान के दशकों से बने हुए अवैध कब्जे को लेकर जयशंकर ने पश्चिम के विकसित देशों के साथ संयुक्त राष्ट्र संघ (यूएनओ) को भी कटघरे में खड़ा करते हुए कहा कि कश्मीर पर पाकिस्तान ने आक्रमण किया था। लेकिन पश्चिमी देशों और यूएन ने इसे विवाद के रूप में तब्दील कर दिया। हमलावर और पीड़ित को बराबर रखा गया। दोषी पक्ष कौन थे? ब्रिटेन, कनाडा, बेल्जियम, ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका? सभी दोषी हैं। उन्होंने कहा, हम सभी संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता की बात करते हैं। लेकिन द्वितीय विश्व युद्ध के बाद किसी दूसरे देश द्वारा किसी क्षेत्र पर किया गया अनाधिकृत कब्जा केवल भारत के जम्मू-कश्मीर से जुड़ा हुआ है। हम संयुक्त राष्ट्र गए थे। लेकिन उन्होंने

दोहरे मापदंड अपनाए। उन्होंने कहा, इस मामले पर मेरे पास कुछ महत्वपूर्ण सवाल हैं? रायसीना संवाद का आयोजन बीते 17 से 19 मार्च तक ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन और विदेश मंत्रालय द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है। यह भू-राजनीति और भू-अर्थशास्त्र पर भारत का एक प्रमुख सम्मेलन है।

मानकों में बुनियादी स्थिरता की दरकार

जयशंकर ने कहा कि वर्तमान में एक मजबूत और पारदर्शी संयुक्त राष्ट्र की आवश्यकता है। जहां पर मानकों में बुनियादी स्थिरता देखने को मिले। विकसित देशों पर निशाना साधते हुए जयशंकर ने राजनीतिक हस्तक्षेप का जिक्र करते हुए कहा कि आज जब पश्चिम बाकी देशों में जाता है तो उसे लोकतांत्रिक स्वतंत्रता का अनुपालन करना समझा जाता है। लेकिन जब दुनिया के बाकी देश पश्चिम में जाते हैं तो कहा जाता है कि उनका इरादा दुर्भावनापूर्ण है। ऐसे में हमें एक निष्पक्ष व्यवस्था चाहिए।

कमजोर देश करें अपनी सुरक्षा

बीते करीब 8 दशकों में दुनिया के कामकाज का ऑडिट करना, उसमें ईमानदार होने के साथ यह समझना जरूरी है कि आज का संतुलन और हिस्सेदारी बड़े पैमाने पर बदल गई है। पुरानी व्यवस्था उस समय के हिसाब से गढ़ी गई थी। जिसमें कुछ चीजें या नियम किसी देश के लिए ठीक थे। जबकि कुछ नहीं। ऐसे में संबंधित राष्ट्र पर किसी मुद्दे पर अलग-अलग तरीके से उक्त व्यवस्था लागू की जाती थी। इसलिए हमें एक ऐसी अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था की दरकार है। जिसमें दुनिया के कमजोर देश भी अपने अधिकारों की सुरक्षा कर सकें व उन्हें इसका अवसर मिले।

जोखिम उठाने के लिए बड़ा होना जरूरी नहीं

उन्होंने पाकिस्तान की ओर इशारा करते हुए कहा कि हमने पड़ोस में देखा है कि जहां पर जोखिम उठाने के लिए आपको बड़ा देश होने की जरूरत नहीं है। विदेश मंत्री ने कहा कि ये वही अफगानिस्तान या तालिबानों का एक अलग देश है। जिसका दोहा से लेकर ओस्लो में स्वागत किया गया था। तब लोग इनसे सहमत थे, तो आज इनका विरोध क्यों किया जा रहा है? ऐसे में दोहा से लेकर ओस्लो में तालिबान के साथ की गई चर्चा पर सवालिया निशान लगते हैं? जब तालिबान से निपटना आसान, सुविधाजनक होता है तो वो ठीक हो जाता है।

राष्ट्रपति ट्रंप की यूएस फर्स्ट की नीति को केवल अमेरिका न समझा जाए: गबार्ड

अमेरिका की राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गेबार्ड ने मंगलवार को राजधानी में आयोजित रायसीना संवाद-2025 कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की यूएस फर्स्ट की नीति को केवल अमेरिका के रूप में ही नहीं समझा जाना चाहिए। जिस तरह से अमेरिकी राष्ट्रपति की नीति है ठीक उसी प्रकार से भारत के पीएम भारत सबसे पहले के दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ रहे हैं। तुलसी ने कहा कि मौजूदा वक्त भारत और अमेरिका के संबंधों को मजबूती के साथ एक नई ऊंचाइयों पर ले जाने का बहुत बड़ा अवसर प्रदान करता है। इसके लिए पिछले महीने अमेरिका के वॉशिंगटन डीसी में हुई दोनों देशों के राष्ट्राध्यक्षों की द्विपक्षीय बैठक में एक महत्वपूर्ण दृष्टिकोण को भी साझा किया गया है। पीएम मोदी की राष्ट्रपति ट्रंप के साथ हुई मुलाकात को तुलसी गेबार्ड ने दो पुराने दोस्तों की एक बार फिर से हुई मुलाकात करार दिया।

दोनों देशों की बढ़ेगी साझेदारी

अमेरिका की राष्ट्रीय खुफिया निदेशक ने विश्वास के साथ कहा कि भारत और अमेरिका के बीच मित्रता और द्विपक्षीय साझेदारी लगातार बढ़ेगी। दुनिया के कुछ भागों में जारी युद्ध खासतौर पर रूस-यूक्रेन युद्ध, पश्चिम एशिया के संघर्ष के संदर्भ में गेबार्ड ने कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति शांति-सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

फडणवीस ने नागपुर हिंसा पर कहा- पुलिस पर हमला बर्दाश्त नहीं करेंगे

सुनियोजित तरीके से शहर में लगाई आग, पत्थरों से भरी मिली ट्रॉली और खास घरों को ही बनाया गया निशाना

मुंबई हलचल / मुंबई

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने नागपुर हिंसा को सुनियोजित हमला करार दिया। उन्होंने कहा कि धार्मिक सामग्री जलाने की अफवाह फैलाई गई। हिंसा में 33 पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। सीएम फडणवीस ने कहा है कि कानून-व्यवस्था को हाथ में लेने वाले किसी भी शख्स को बख्शा नहीं जाएगा। हिंसा में तीन (डीसीपी) घायल हुए हैं और एक डीसीपी पर कुल्हाड़ी से हमला किया गया।

सीएम ने कहा कि औरंगजेब के खिलाफ फिल्म छावा ने गुस्से को बढ़ाया है। उन्होंने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की। विधानसभा में सीएम फडणवीस ने कहा कि नागपुर में विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल ने विरोध प्रदर्शन किया। इसके बाद धार्मिक सामग्री को जलाने की अफवाह फैलाई गई। यह एक सुनियोजित हमला लगता है। किसी को भी कानून-व्यवस्था अपने हाथ में लेने की इजाजत नहीं है। सीएम ने कहा कि पुलिस पर हमला बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। हिंसा में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त एक्शन लिया जाएगा।

11 थाना क्षेत्रों में निषेधाज्ञा लागू

फडणवीस ने कहा कि तीन डीसीपी समेत कुल 33 पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। 5घायल नागरिकों में से तीन को अस्पताल से छुट्टी मिल गई है। एक आईसीयू में है। नागपुर के 11 थाना क्षेत्र में निषेधाज्ञा लागू है। हिंसा मामले में पांच अलग-अलग एफआईआर दर्ज की गई हैं।

औरंगजेब की कब्र और सियासत बेसब्र

कुछ लोग 'आक्रांता' का गुणगान कर रहे

फडणवीस ने कहा कि पुलिस को मुस्लिम प्रतिनिधिमंडल की शिकायत मिली है। इस पर कार्रवाई की जा रही है। विधानसभा में सत्तारूढ़ महायुति और विपक्षी विधायकों ने मंगलवार सुबह एक-दूसरे के खिलाफ नारेबाजी की। विपक्ष का आरोप है कि महायुति सरकार के कुछ मंत्रियों के बयान की वजह से महाराष्ट्र में स्थिति बिगड़ रही है। उधर, सत्तारूढ़ गठबंधन के विधायकों ने कुछ लोगों पर मुगल सम्राट औरंगजेब का महिमामंडन करने का आरोप लगाया।

कब्र तोड़ी तो 5 बीघा जमीन और 11 लाख देंगे: सिखेड़ा

इसी विवाद को लेकर मंगलवार को महाराष्ट्र के नागपुर में हिंसक झड़प हुई है। अब ये मामला यूपी में भी तूल पकड़ रहा है। यूपी के मुजफ्फरनगर में शिवसेना के एक नेता ने औरंगजेब की कब्र तोड़ने वाले को 5 बीघा जमीन और 11 लाख रुपए तक देने की घोषणा शिवसेना के जिला अध्यक्ष बिट्टू सिखेड़ा ने की है।

औरंगजेब की कब्र हटाकर वहां विजय स्मारक बने: विहिप

विहिप ने नागपुर में हिंसा फैलाने के आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। संगठन ने कहा है कि कुछ लोग हिंसा करके लोगों को डराकर औरंगजेब के काले इतिहास को अपने तरीके से पेश कराना चाहते हैं। संगठन ने कहा है कि औरंगजेब की कब्र के स्थान पर धनाजी जाधव, संताजी घोरपडे, छत्रपति राजाराम महाराज का स्मारक बनना चाहिए।

औरंगजेब का समर्थन किया तो सख्त कार्रवाई होगी: सीएम शिंदे

डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे ने नागपुर हिंसा पर कहा कि महाराष्ट्र में औरंगजेब का समर्थन करने वालों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि नागपुर में जो घटना घटी, वह दुर्भाग्यपूर्ण है। पुलिस जांच कर रही है कि क्या यह सुनियोजित साजिश थी या नहीं। पुलिस का कहना है कि कई लोग बाहर से आए।

आजमी इसके लिए जिम्मेदार: राणे

महाराष्ट्र के मंत्री नितेश राणे ने हिंसा के लिए सपा के विधायक अबू आजमी को जिम्मेदार बताया है। महाराष्ट्र के मंत्री राणे ने कहा कि ये राज्य सरकार को बदनाम करने के लिए एक पूर्व नियोजित हिंसा थी।

घटना में सरकार शामिल थी : पटोले

नागपुर हिंसा पर कांग्रेस नेता नाना पटोले ने कहा कि अगर मुख्यमंत्री और गृह मंत्री इसे पूर्व नियोजित कहते हैं, तो यह सरकार और पुलिस की विफलता है। घटना में सरकार खुद शामिल थी। सुरक्षा नहीं की।

खबर संक्षेप

जॉर्ज सोरोस से जुड़े कई ठिकानों ईडी की रेड

बेंगलुरु। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अमेरिकी अरबपति जॉर्ज सोरोस समर्थित संगठन ओएसएफ

(ओपन सोसाइटी फाउंडेशन) और उससे जुड़े निकायों के खिलाफ कार्रवाई की है। ईडी ने मंगलवार को बेंगलुरु स्थित जॉर्ज सोरोस फाउंडेशन, ओएसएफ और एमनेस्टी इंटरनेशनल के दफ्तरों पर छापा मारा। ओएसएफ ने अभी तक इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के तहत लाभार्थियों के परिसरों की तलाशी ली गई।

वैष्णो देवी मंदिर में पिस्टल लेकर पहुंची महिला

कटड़ा। श्री माता वैष्णो देवी मंदिर के भवन में एक महिला सुरक्षा जांच को तोड़ते हुए पिस्तौल लेकर पहुंच

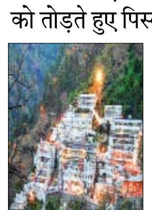

गई। घटना 14-15 मार्च 2025 की रात की है। महिला की पहचान ज्योति गुप्ता के रूप में हुई है, जो दिल्ली पुलिस में कार्यरत है। ज्योति पिस्तौल लेकर वैष्णो देवी के दर्शन करने पहुंची थी। एसएसपी के रियासी परमिंदर सिंह ने जानकारी दी कि महिला के पास से मिले हथियार का लाइसेंस एक्सपायर हो चुका था। रियासी पुलिस ने महिला को गिरफ्तार कर लिया है और हथियार जब्त कर लिया है।

आगबबूला हुई यूनुस सरकार कहा- उनकी टिप्पणी किसी 'सबूत' पर आधारित नहीं

गबार्ड बोंली- बांग्लादेश में बढ़ा इस्लामिक आतंकी खतरा, मुश्किल में 'अल्पसंख्यक'

तुलसी गबार्ड ने बांग्लादेश में धार्मिक अल्पसंख्यकों के 'उत्पीड़न और हत्या' का आरोप लगाया और कहा कि देश में इस्लामी आतंकवादियों का खतरा बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप के नए मंत्रिमंडल और बांग्लादेश सरकार के बीच बातचीत अभी शुरू हुई है, लेकिन यह चिंता का एक मुख्य केंद्र बना हुआ है

मुंबई हलचल / ढाका

बांग्लादेश में हिंदुओं को लगातार निशाना बनाया जा रहा है। यहां तक की उनके घरों और हिंदू मंदिरों में तोड़फोड़ और आगजनी की भी कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं। अब इसी सच्चाई को अमेरिकी राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड ने पूरी दुनिया के सामने रख दिया है, जिसके बाद से यूनुस सरकार आगबबूला हो गई है।

भारत में मौजूद अमेरिकी खुफिया एजेंसी की निदेशक तुलसी गबार्ड ने सोमवार को एक निजी टीवी चैनल को दिए इंटरव्यू में कहा कि बांग्लादेश में धार्मिक अल्पसंख्यकों के हालात पर चिंता जताई थी। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं, बौद्धों, ईसाइयों और अन्य धार्मिक अल्पसंख्यकों का लंबे समय से उत्पीड़न हो रहा है। इन लोगों की हत्या और उनके साथ दुर्व्यवहार की घटनाओं से अमेरिकी सरकार और राष्ट्रपति ट्रंप भी चिंतित हैं।

- **अल्पसंख्यकों के साथ हो रहे दुर्व्यवहार से अमेरिकी सरकार बेहद चिंतित**
- **दुनिया भर में इस्लामिक आतंकवाद को हराने के लिए ट्रंप सरकार प्रतिबद्ध**

इस्लामी आतंकवादियों का खतरा बढ़ गया

गबार्ड ने बांग्लादेश में धार्मिक अल्पसंख्यकों के 'उत्पीड़न और हत्या' का आरोप लगाया और कहा कि देश में इस्लामी आतंकवादियों का खतरा बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप के नए मंत्रिमंडल और बांग्लादेश सरकार के बीच बातचीत अभी शुरू हुई है, लेकिन यह चिंता का एक मुख्य केंद्र बना हुआ है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि दुनिया भर में इस्लामिक आतंकवाद को हराने के लिए ट्रंप सरकार प्रतिबद्ध है। उन्होंने बांग्लादेश के हालात को 'इस्लामिक खलीफत' की आतंकवादी विचारधारा से भी जोड़ दिया।

टिप्पणी गलत छवि प्रस्तुत करती है

17 मार्च की आधी रात को एक फेसबुक पोस्ट जारी करके बांग्लादेश की सरकार ने अपना पक्ष रखा। सरकार ने तुलसी गबार्ड की टिप्पणी की निंदा और कहा कि उनका बयान किसी भी सबूत या विशिष्ट आरोपों पर आधारित नहीं था। गबार्ड की टिप्पणी पूरे देश की गलत छवि प्रस्तुत करती है। यह बांग्लादेश की इमेज और प्रतिष्ठा को गुमराह करने वाला और नुकसान पहुंचाने वाला है। बांग्लादेश एक ऐसा देश है जिसकी इस्लामिक परंपरा समावेशी और शांतिपूर्ण रही है। हमने उग्रवाद और आतंकवाद के खिलाफ अपनी लड़ाई में प्रगति हासिल की है।

वास्तविक ज्ञान के आधार पर दें बयान

यूनुस सरकार ने कहा कि बांग्लादेश को किसी भी तरह के इस्लामी खलीफत से जोड़ने की कोई भी कोशिश निंदनीय है। बड़े नेताओं और बड़ी हस्तियों को संवेदनशील मुद्दों पर वास्तविक ज्ञान के आधार पर ही बयान देना चाहिए। उन्हें भय को भड़काने और संभावित रूप से सांप्रदायिक तनाव को भड़काने से बचना चाहिए। हालांकि, मुख्य सलाहकार के कार्यालय ने कहा कि बांग्लादेश, दुनिया भर के कई देशों की तरह चरमपंथ की चुनौतियों का सामना कर रहा है। सरकार ने ये भी कहा कि वो कानून प्रवर्तन, सामाजिक सुधारों और अन्य आतंकवाद विरोधी प्रयासों के माध्यम से इन मुद्दों को हल करने के लिए अमेरिका सहित अंतरराष्ट्रीय समुदाय के साथ साझेदारी में लगातार काम कर रहा है।

रूस-यूक्रेन युद्ध पर 30 दिन का विराम!

ट्रंप संग बातचीत के बाद पुतिन राजी, अब 'शर्तों' पर होगी चर्चा

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच मंगलवार को 3 घंटे तक फोन पर बातचीत हुई। इस बातचीत को लेकर रूसी राष्ट्रपति के कार्यालय क्रेमलिन ने बताया कि राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन के ऊर्जा ठिकानों पर हमले 30 दिनों के लिए रोकने पर सहमति जताई है। यह वार्ता अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूसी राष्ट्रपति पुतिन के बीच हुई है, जिसमें दोनों नेताओं ने वैश्विक ऊर्जा और सीजफायर का समर्थन किया है। व्हाइट हाउस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक बयान जारी कर दोनों नेताओं के बीच हुई बातचीत का ब्यौरा दिया। दोनों नेताओं ने माना कि यूक्रेन में युद्ध के कारण यूक्रेन और रूस दोनों को भारी नुकसान हुआ है।

व्हाइट हाउस के अनुसार, इस वार्ता से तात्कालिक प्रभाव से मिडिल ईस्ट में यूक्रेन वार्ता का नया दौर शुरू होगा। ट्रंप और पुतिन ने इस बैठक में अपने संबंधों में सुधार की संभावनाओं को बड़ा फायदा बताया है, जो न केवल दोनों देशों बल्कि पूरे विश्व के लिए लाभकारी हो सकता है। क्रेमलिन की ओर से यह भी बताया गया कि राष्ट्रपति पुतिन ने यूक्रेन में संघर्ष विराम के लिए कुछ शर्तें निर्धारित की हैं, जिन पर आगे चर्चा की जाएगी। यह वार्ता दोनों देशों के संबंधों में नया मोड़ ला सकती है और भविष्य में शांति स्थापित करने में सहायक हो सकती है।

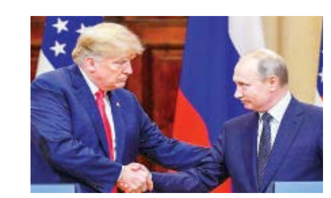

यूक्रेन युद्ध से प्रभावित पूरी दुनिया

पुतिन ने कहा कि वे अमेरिका के साथ मिलकर यूक्रेन संकट को समाप्त करने के संभावित तरीकों पर काम करने के लिए तैयार हैं। ऐसे समय में जबकि यूक्रेन संकट ने वैश्विक राजनीति को प्रभावित किया है, इस प्रकार की वार्ता और सहमति से शांति की दिशा में नए प्रयास हो सकते हैं। यह वार्ता विश्व राजनीति में एक नई चेतना लाई है और उम्मीद है कि यह आने वाले दिनों में स्थायी समाधान की दिशा में एक बड़ा कदम साबित होगी।

युद्धविराम पर समझौते के मुख्य बिंदु

अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा 30-दिनों के संघर्ष विराम की पहल पर, रूसी पक्ष ने कुछ प्रमुख पहलुओं को रेखांकित किया। जिनमें संघर्ष विराम को पूरे मोर्चे पर प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए ठोस नियंत्रण सुनिश्चित करना, यूक्रेन में जबरन सैन्य भर्ती को रोकना, यूक्रेनी सशस्त्र बलों के पुनः शस्त्रीकरण पर रोक लगाना शामिल हैं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

ब्लू ड्रैगन की सनबीम वेंचर्स के साथ साझेदारी

भारतीय ग्राहकों के लिए ला रहा है असली एशियाई व्यंजनों का स्वाद

मुंबई। दुनिया भर में असली थाई और एशियाई खाने के स्वाद के लिए मशहूर ब्लू ड्रैगन ब्रांड ने अब सनबीम वेंचर्स के साथ साझेदारी कर भारत में अपने व्यापार का विस्तार किया है। सनबीम वेंचर्स एक प्रमुख फास्ट-मूविंग कंज्यूमर गुड्स यानी तेजी से बिकने वाले उपभोक्ता उत्पादों के वितरण और विपणन की कंपनी है। २०१९ में भारत में अपनी वितरण प्रणाली शुरू करने के बाद से, ब्लू ड्रैगन भारतीय ग्राहकों की पसंद के अनुसार अपने उत्पादों में बदलाव कर रहा है। अब कंपनी ने भारत में अपनी मजबूत पकड़ बना ली है और अधिक ग्राहकों तक पहुंचने व भारत में बढ़ती एशियाई स्वादों की मांग को पूरा करने के लिए पूरी तरह तैयार है।

ब्लू ड्रैगन के पास नूडल्स, सॉस, पेस्ट, मिल किट्स और नारियल दूध जैसे उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला है, जिससे भारतीय ग्राहक अब घर पर ही आसानी से और स्वादिष्ट एशियाई व्यंजन बना सकते हैं।

अब ग्राहकों को ये उत्पाद आसानी से उपलब्ध होंगे:

■ इंस्टेंट कप नूडल्स (६ अलग-अलग फ्लेवर में) - सिर्फ ३ मिनट में झटपट तैयार होने वाले स्वादिष्ट नूडल्स।

■ टॉम यम उत्पादों की श्रेणी - इसमें टॉम यम पेस्ट, टॉम यम मिल किट, टॉम यम सूप किट और टॉम यम नूडल कप्स शामिल हैं, जिन्हें अलग-अलग तरीकों से पकाने के लिए तैयार किया गया है।

■ नूडल किट्स और करी किट्स - घर पर आसानी से बनने वाले असली थाई और एशियाई नूडल्स व करी।

■ ड्राय नूडल्स - असली थाई स्वाद के साथ खास चुने गए पारंपरिक थाई नूडल्स।

■ स्वादिष्ट सॉस और करी पेस्ट झ घर के खाने को और अधिक स्वादिष्ट बनाने के लिए।

■ नारियल दूध - करी, सूप और डेजर्ट के लिए बेहतरीन विकल्प।

ब्लू ड्रैगन के बैंकॉक हब के जनरल मैनेजर बवॉर्न पकडीसुसुक ने इस व्यापार और साझेदारी के बारे में जानकारी देते हुए कहा, ब्लू ड्रैगन ने २०१९ में भारत में अपना व्यापार शुरू किया और इसके बाद मजबूत वितरण प्रणाली विकसित करने और स्थानीय ग्राहकों की पसंद को समझने पर हमारा पूरा ध्यान था। हालांकि, कोविड महामारी के कारण विस्तार की योजना में देरी हुई। अब हमने भारत में अपनी मजबूत नींव बना ली है और अपनी उपस्थिति बढ़ाने के लिए उत्साहित हैं। भारतीय बाजार अब उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों की ओर बढ़ रहा है। हम इस बढ़ती मांग का लाभ उठाकर बाजार में एक प्रमुख कंपनी बनने के लिए अच्छी स्थिति में हैं। हमारा लक्ष्य भारतीय ग्राहकों से और मजबूत संबंध बनाना, हमारे उत्पादों की खासियत को साबित करना और व्यापार को आगे बढ़ाना है। हमारे उत्पादों में असली स्वाद, उच्च गुणवत्ता और आसान बनाने की सुविधा का बेहतरीन संतुलन है, जो भारतीय ग्राहकों के लिए एक शानदार विकल्प साबित होगा।

हम सर्वोत्तम गुणवत्ता और सेवा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं और भारत में अपनी उपस्थिति को और मजबूत करने के लिए तैयार हैं।

२००४ से उच्च गुणवत्ता वाले उपभोक्ता उत्पादों के वितरण में विश्वसनीय नाम बने सनबीम वेंचर्स अब ब्लू ड्रैगन ब्रांड के भारत में विस्तार की जिम्मेदारी निभा रहा है। सनबीम वेंचर्स के संस्थापक और निदेशक विकास सिंघल ने इस ब्रांड को भारत में लाने में अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने मजबूत वितरण रणनीति तैयार की है और ग्राहकों के साथ सीधा संपर्क बढ़ाने के लिए कई योजनाएं बनाई हैं।

ब्लू ड्रैगन के उत्पाद अब भारत के ५० से अधिक शहरों और १५०० से अधिक प्रीमियम आउटलेट्स पर उपलब्ध हैं। अगले दो वर्षों में कंपनी १००% वृद्धि हासिल करने की योजना बना रही है। ग्राहकों के बीच जागरूकता बढ़ाने के लिए ब्लू ड्रैगन अपने विज्ञापन अभियान को बढ़ा रहा है और तेजी से डिलीवरी (क्विक कॉमर्स) प्लेटफॉर्म पर अधिक प्रचार कर रहा है। साथ ही, होटल, रेस्टोरेंट और कैटरिंग उद्योग के लिए विशेष बड़े पैकेजेस की योजना बना रहा है, जो बड़े पैमाने पर खरीदारी करने वाले व्यवसायों के लिए फायदेमंद होगा।

सनबीम वेंचर्स के संस्थापक विकास सिंघल ने इस साझेदारी पर बात करते हुए कहा, हम भारतीय ग्राहकों को असली थाई और सम्पूर्ण एशियाई व्यंजनों का स्वाद देने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जिससे खाना बनाना आसान, मजेदार और सुविधाजनक बन जाए। ब्लू ड्रैगन केवल एक सॉस ब्रांड नहीं है, बल्कि यह संपूर्ण भोजन के लिए एक बेहतरीन समाधान है। यह न केवल घर पर खाना बनाने वालों के लिए बल्कि जल्द और उच्च गुणवत्ता वाले खाने की तलाश करने वाले व्यस्त पेशेवरों के लिए भी एक आदर्श विकल्प है।

ब्लू ड्रैगन अपने उत्पादों की सर्वोत्तम गुणवत्ता और प्रामाणिकता बनाए रखने के लिए थाईलैंड और पूरे एशिया के प्रमुख विनिर्माण साझेदारों के साथ काम करता है। कंपनी खाद्य सुरक्षा और गुणवत्ता मानकों का कड़ाई से पालन करती है। ब्लू ड्रैगन की उपस्थिति यूनाइटेड किंगडम, यूरोप, उत्तरी अमेरिका और मेक्सिको में है, जहां यह कड़े गुणवत्ता परीक्षणों के आधार पर उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद वितरित करता है। स्थानीय एशियाई सामग्रियों का उपयोग करके, ब्लू ड्रैगन असली पैन-एशियन स्वाद और सुगंध को बनाए रखता है, जिससे ग्राहकों को बेहतरीन खाद्य संस्कृति का अनुभव मिलता है।

रसना ने लॉन्च किया दुनिया का पहला ज्यादा रिच, थिक और टेस्टी पाउडर कॉन्संट्रेट

अहमदाबाद/मुंबई। पीढ़ियों से भारतीय परिवारों के प्रिय पेय रसना ने रसना रिच के नाम से एक अनूठा और नया उत्पाद लॉन्च किया है। यह एक फ्लेवर रिच पाउडर कॉन्संट्रेट है, जिसका टेक्सचर एवं स्वाद शानदार है। यह बहुत किफायती भी है। 10 रुपये के पाउच से 3 गिलास पेय बनता है, जिससे प्रभावी कीमत 3 रुपये प्रति गिलास बनती है। नए उत्पाद में मुख्य आकर्षण फलों के राजा आम का स्वाद है। आम रसना के सबसे ज्यादा बिकने वाले फ्लेवर में से एक है। इसीलिए, रसना रिच लाइन-अप में भी इस फ्लेवर को शामिल किया गया है। आम को प्रीमियम और खास फल माना जाता है, लेकिन नए रसना रिच मैंगो के साथ अब पूरे साल आसानी से इसका स्वाद लिया जा सकेगा। नया रसना रिच ऑरेंज, लेमन, पाइनएप्पल, अमरूद और मिक्सफ्रूट जैसे कई अन्य फ्लेवर्स में भी उपलब्ध है। 10 रुपये से 20 रुपये प्रति गिलास

की कीमत वाले अन्य मैंगो ड्रिंक की तुलना में रसना रिच स्वाद को लेकर अपनी विरासत के साथ किफायती मूल्य पर उपलब्ध है। अच्छे स्वास्थ्य और पोषण के अपने वादे के अनुरूप रसना रिच 21 विटामिन एवं मिनरल से भरपूर है, जिससे इसकी विशिष्टता और बढ़ जाती है। इसकी सुविधाजनक पाउच पैकेजिंग इसे स्कूल, पिकनिक एवं सफर के लिए आदर्श बनाती है। रसना रिच की लॉन्चिंग के अवसर पर रसना इंटरनेशनल के ग्रुप चेयरमैन श्री पिरुज खंबाटा ने कहा, हमारा नया उत्पाद भारतीय उपभोक्ताओं की आकांक्षाओं को दशार्ता है। यह एक आत्मनिर्भर ब्रांड है जो किफायती कीमत पर अंतरराष्ट्रीय गुणवत्ता प्रदान करता है। रसना ने हमेशा ऐसे उत्पाद पेश किए हैं, जो भारतीय मूल्यों के अनुरूप होते हैं और पोषण, स्वास्थ्य एवं स्वाद का सहज मिश्रण होते हैं। इस लॉन्चिंग के साथ रसना ने भारतीय घरों में अपनी उपस्थिति को मजबूत किया है और 20,000 करोड़ रुपये के फ्रूट ड्रिंक्स बाजार में कदम बढ़ाया है। साथ ही, अद्वितीय कीमत पर विश्व स्तरीय ताजगी की पेशकश कर रहा है। पूरे भारत में नए एवं रोमांचक रसना रिच लाइनअप के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए कंपनी ने 2025 की गर्मियों को ध्यान में रखते हुए दिल को छू लेने वाला नया विज्ञापन अभियान भी शुरू किया है। अग्रणी विज्ञापन एजेंसी द वॉम्ब द्वारा तैयार यह कैंपेन ग्राहकों की पुरानी यादों को ताजा करता है, जिसमें रोजमर्रा के ऐसे पलों को दिखाया गया है, जो दर्शकों को उनके बचपन की याद दिलाते हैं। विज्ञापन में दो बच्चों की खुशी को खूबसूरती से दशार्या गया है, जो साथ मिलकर रसना बना रहे हैं और मासूमियत से अपनी छोटी बहन के बड़े होने और उसके साथ रसना का स्वाद लेने का इंतजार कर रहे हैं। यह खूबसूरत विज्ञापन ऐसी भावनाओं को जगाता है जो कल्याण से लेकर कोलकाता और बठिंडा से लेकर बेंगलुरु तक सभी को जोड़ती हैं। नए 10 रुपये के पैक से 3 गिलास पेय बनता है। इसे शेयरिंग पैक भी कहा गया है।

प्यार से इंकार पर दबंग की प्रताड़ना से जहर खाकर मर गई कानपुर की किशोरी

कानपुर। जबरन प्यार कराने की दबंग की इच्छा एक किशोरी की असमय मौत का कारण बन गई । उसने इसी दबंग की प्रताड़ना से भयभीत होकर मौत को गले लगा लिया। उसने जहर खा लिया, जिसके बाद उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया था ,जहां उसने इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। जानकारी के मुताबिक किशोरी के घर से बाहर जाने के दौरान यह दबंग उससे फोन पर बात करने के लिए भी दबाव डालता था और बात नहीं मानने पर बदनाम करने की धमकी भी दे रहा था। घटना की सूचना के बाद लाश को पोस्टमार्टम के लिए भेज कर पुलिस ने जांच के साथ आरोपी की तलाश भी शुरू कर दी। पुलिस के अनुसार बिल्हौर के खजूरी कला गांव निवासी किसान की बेटी क्लास 7 में पढ़ती थी। मौके पर पहुंची पुलिस को पिता ने बताया कि गांव में ही रहने वाला सत्येंद्र राठौर आए दिन बेटी को फोन करके परेशान करता था। सूत्रों की माने तो दबंग उसे खुद से प्यार करने के लिए धमकता भी था। इसी इरादे से वह से फोन पर बात करने का भी दबाव बनाता था।

पिता के मुताबिक जब बेटी ने बात करने से इनकार किया तो वह उसके स्कूल के रास्ते में रोकने लगा और जबरन बात करने का दबाव बनाता था। इससे बेटी काफी सहम गई और उसने जहर खा लिया। फिलहाल पुलिस घटना की जांच के साथ आरोपी की भी तलाश कर रही है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

ऐसे करें मेथी का प्रयोग, चेहरे के दाग-धब्बे होंगे दूर और मिलेगा निखार

सर्दियों में मेथी की सब्जी और पराठे आप भी खाते होंगे। मेथी स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होती है। मगर क्या आप जानते हैं कि मेथी आपको खूबसूरत भी बना सकती है। जी हां, मेथी के पत्तों में कई तरह के सौंदर्यवर्धक गुण भी मौजूद हैं, जो आपके त्वचा संबंधी हर समस्या को आसानी से दूर करते हैं और त्वचा में निखार लाते हैं।

1 त्वचा के लिए मेथी – वर्षों से हमारे भारतीय समाज में प्राकृतिक जड़ी-बूटियों का प्रयोग किया जा रहा है, जो हमारी सेहत के लिए उपयोगी होती है। उनमें से एक मेथी भी है, जी हां मेथी का प्रयोग लगभग हर भारतीय रसोई में व्यापक रूप से विभिन्न बेहतर स्वास्थ्य उद्देश्यों के लिए किया जाता है। इसलिए अगर मेथी को बहुउद्देशीय मसाला कहा जाएं तो कुछ गलत ना होगा। लेकिन क्या आप जानते हैं कि विभिन्न स्वास्थ्य लाभ पहुंचाने वाली मेथी का उपयोग आपके सौंदर्य भी भी चार-चांद लगा सकता है। यहां मेथी के सुंदरता से जुड़े लाभ और उनके इस्तेमाल के तरीकों की लिस्ट दी गई है जिन्हें आप बेजिझक अजमा सकते हैं।

2 मुहांसों को रोकें – मेथी के बीज कील-मुहांसों को रोकने और इसका इलाज करने में काफी प्रभावी है। मेथी त्वचा की मृत कोशिकाओं को निकालने में मदद करती है। जिससे त्वचा पर मुंहासें नहीं होते। मुहांसों पर काबू पाने के अलावा मुहांसों और जलने के निशान को दूर करने में भी मेथी मददगार होती है। मेथी का फेस पैक बनाने के लिए मेथी बीज का पेस्ट तैयार करें और इसमें शहद मिला लें। रात को सोने से पहले इसे आप अपने मुहांसे पर लगा लें और सुबह इसे गुनगुने पानी से साफ कर लें। कुछ दिन इस उपाय को करने के बाद आपके मुहांसे और दाग दोनों गायब हो जायेगें।

3 त्वचा को चमकदार बनाएं – मेथी के बीज चेहरे की गंभीर समस्याओं जैसे झुर्रियों, काले धब्बे, फाइन लाइन और इंफेक्शन आदि से हमारी त्वचा की रक्षा करते हैं और पहले से उत्पन्न समस्याओं का दूर करने में भी सक्षम है। मेथी में मौजूद एंटी-ऑक्सीडेंट त्वचा की टोन और त्वचा में गलो लाने के लिए काफी फायदेमंद होते हैं। इसके लिए आप मेथी बीज, मेथी युक्त पानी, बेसन और दही का प्रयोग कर फेसपैक तैयार कर लें उसके बाद तैयार फेसपैक से त्वचा का एक्स्फोलिएट करें। इस उपाय से आपकी त्वचा में धीरे-धीरे निखार आने लगेगा।

4 डार्क सर्कल दूर करें – कई बार उम्र बढ़ने या किसी अन्य समस्या के कारण आंखों आस-पास डार्क सर्कल होने लगते हैं। और इन डार्क सर्कल के कारण चेहरा बेजान लगने लगता है। इस समस्या को दूर करने के लिए भी मेथी आपके लिए मददगार हो सकती है। इसके लिए मेथी के थोड़े से दानो को लेकर उसका पेस्ट बना लें। अब इस पेस्ट को अपने आंखों के आस-पास डार्क सर्कल पर लगाएं। कुछ दिन इस उपाय को करने से आपको फायदा होने लगेगा।

5 काले दाग-धब्बों को दूर करें – मेथी की पत्तियां हमारे शरीर के लिए उतनी ही उपयोगी है जितना उसके बीज। मेथी के दाने में फॉस्फेट, लेसिथिन जैसे पोषक तत्व होते है।

कॉलेज गर्ल्स मेकअप में अक्सर करती हैं ये 5 गलतियां, कहीं आप भी तो नहीं करतीं?

कॉलेज के दिन हम सबकी जिंदगी के कुछ खूबसूरत दिनों में से एक होते हैं। इसलिए कॉलेज जाने की तैयारी से पहले आप भी खूबसूरत दिखने के लिए काफी तैयारी करती होंगी। इन दिनों लड़कियां चेहरे, बाल, ड्रेस आदि का खास ख्याल रखती हैं। मगर ऐसा देखा गया है कि ज्यादातर कॉलेज गर्ल्स मेकअप के समय कुछ गलतियां करती हैं। आइए हम आपको बता रहे हैं कि क्या हैं वो गलतियां।

1 बालों को ठीक समय से न धोना – अक्सर कॉलेज जाने वाली लड़कियां ये गलती करती हैं कि या तो बालों को बहुत जल्दी-जल्दी धोती हैं या ज्यादा दिन में धोती हैं। जल्दी-जल्दी बाल धोने से बाल कमजोर हो जाते हैं और टूटने लगते हैं, वहीं ज्यादा समय तक बाल न धोने से बालों में गंदगी के कारण डैंड्रफ और अन्य समस्याएं होने लगती हैं। एक सप्ताह में कम से कम 2 बार और ज्यादा से ज्यादा 3 बार बाल धोना चाहिए। अगर आप किसी दिन बालों में तेल लगाती हैं, तो बालों पर शैंपू और कंडीशनर जरूर करें।

2 बाल खोलकर सोना – सोना हमारे स्वास्थ्य के साथ-साथ बालों और त्वचा के लिए भी जरूरी है। अगर आप पर्याप्त और गहरी नींद सोती हैं, तो त्वचा पर चमक बनी रहती है। मगर बहुत सारी लड़कियां अपने बाल खोलकर सोती हैं। बाल खोलकर सोने से बाल उलझते हैं और टूटते भी ज्यादा हैं। इसलिए हमेशा बालों को अच्छी तरह बांध कर ही सोएं। इससे बाल अगली सुबह अच्छे रहेंगे और कम टूटेंगे।

हॉर्मोनल बदलाव के कारण होते हैं चेहरे पर मुंहासे, इस तरह पाएं छुटकारा

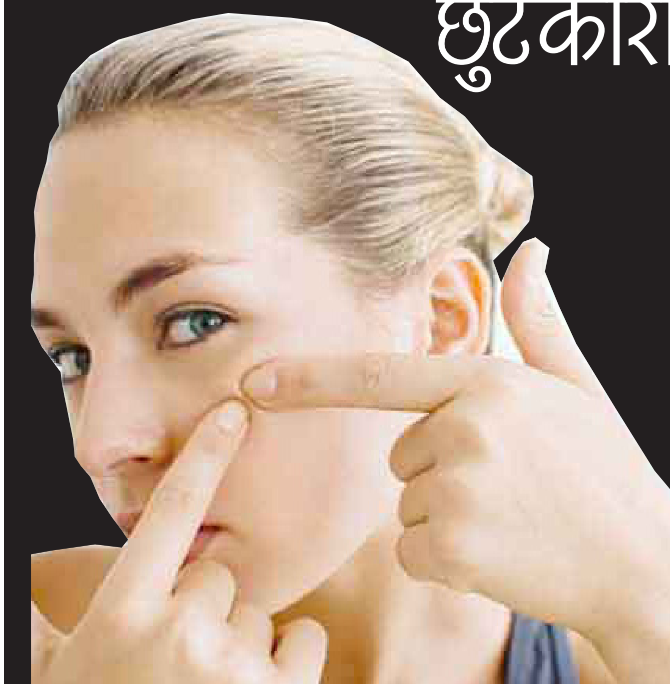

अगर चेहरे पर मुंहासों के जैसे बहुत सारे दाने, हो जाएं और बहुत दिनों तक ठीक न हों तो जरा सावधान हो जाइए। यह एक्ने हो सकते हैं। एक्ने को आयुर्वेदिक उपचार से ठीक किया जा सकता है।

➤➤अगर चेहरे पर मुंहासों के जैसे बहुत सारे दाने, हो जाएं और बहुत दिनों तक ठीक न हों तो जरा सावधान हो जाइए। यह एक्ने हो सकते हैं। एक्ने को आयुर्वेदिक उपचार से ठीक किया जा सकता है। कई बार हम अच्छा खाते हैं और अच्छा लाइफस्टाइल भी अपनात हैं। इसके बावजूद हमारे चेहरे पर मुंहासे हो जाते हैं। क्या आप जानते हैं कि हॉर्मोनल बदलाव के कारण भी हो सकते हैं।

➤➤अगर आपके परिवार में एक्ने की हिस्ट्री रही है यानी आपके मां या पिता को भी यह समस्या रही है तो भी आपको इससे बचाव की कोशिशें शुरू कर देनी चाहिए। एक्ने त्वचा का एक डिसऑर्डर है। यह मुंहासों का ही बिगड़ा हुआ रूप है। फर्क यह है कि आमतौर पर मुंहासे जहां बिना किसी विशेष उपचार के किशोरावस्था के बाद स्वयं ही ठीक हो जाते हैं, वहां एक्ने के साथ ऐसा नहीं होता और जब तक इसका सही ढंग से इलाज न हो, यह ठीक नहीं होता।

➤➤खट्टी चीजें जैसे लो फैट दही पर्याप्त मात्रा में खाएं। प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थो और आयोडीन नमक का प्रयोग कम से कम करें। इनमें आयोडीन बहुत होता है और इससे एक्ने बढ़ता है। मछली और प्याज में भी आयोडीन पाया जाता है, इसलिए इनसे भी दूर रहें।

➤➤पुरूषों की त्वचा महिलाओं की अपेक्षा 20 परसेंट ज्यादा तैलीय यानी ऑयली होती है और इसमें बड़े रंध्र होते हैं जिससे इरप्शन्स होने की संभावना भी ज्यादा होती है। इसके अलावा शरीर में होने वाले हार्मोन्स परिवर्तनों के कारण मुहांसों का होना आम बात है। कई बार होर्मोन्स परिवर्तन इतना असंतुलित रूप से होता है कि अत्यधिक मुहांसों के कारण अच्छे भले चेहरे की रंगत खराब हो जाती है।

➤➤जितना संभव हो त्वचा को तैलीय होने से बचाएं। बालों को रोजाना शैम्पू करें। एक्ने के लिए खासतौर पर निर्मित हर्बल साबुन इस्तेमाल करें, जिसमें सल्फर हो।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

‘मैंने कभी करण जौहर से काम नहीं मांगा’

कंगना रनोट ने सोशल मीडिया पर करण जौहर की एक पुरानी वीडियो क्लिप शेयर की है। इस वीडियो में करण जौहर ने कंगना के उनको मूवी माफिया बोलने पर रिएक्ट किया था। वीडियो में करण जौहर ने कहा है कि वो कंगना के साथ काम करने में बिल्कुल भी इंट्रेस्टेड नहीं हैं। सोशल मीडिया पर कंगना ने करण जौहर के रिएक्शन के साथ खुद अपना रिएक्शन जोड़कर एडिट की हुई वीडियो क्लिप शेयर की है। वीडियो क्लिप शेयर करते हुए कंगना ने लिखा- चाचा चौधरी, आपके इन घटिया शब्दों और भड़ास के लिए शुक्रिया। जब मैं एक फिल्ममेकर और प्रोड्यूसर की तरह खुद का नाम बना लुंगी तब इन्हीं शब्दों को आपके मुंह पर पोतुंगी। कंगना ने जो क्लिप शेयर की है उसमें कुछ पार्ट क इवेंट में दिए गए उनके बयान का भी है। इस दौरान उन्होंने कहा था कि मेरे पास कोई काम नहीं था और मैं उनके पास काम मांगने गई थी। तो मैंने उनसे कहा- क्या आप वाकई में ऐसा सोचते हैं ? मेरा मतलब है कि क्या आपको ऐसा लगता है कि मैं आपकी फिल्मों में काम करना पसंद करूंगी ? मेरा टैलेंट देखिए और अपनी फिल्में देखिए!

किस्मत ने फिर पल्टी पारी...

टीवी इंडस्ट्री घर-घर पहुंचने का आज कल एहम जरिया है, लोग इसके चलते लगातार लाइम लाइट में आने लगते है। वही बॉलीवुड के तमाम सुपरस्टार भी टीवी पर आकर लोगों का मनोरंजन करते दिखाई देते है। वही साल 2020 में गलत खबरों से सुर्खियों में रही एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती टीवी पर वापिसी करने जा रही है। दरअसल सुशांत सिंह राजपूत की एक्स गर्लफ्रेंड रही रिया ने यू तो अपने करियर की शरुआत वीजे से की थी, किसके बाद धीरे धीरे उन्होंने कई छोटी मोती फिल्मो में काम किया। लेकिन बॉलीवुड में आने के बाद रिया के नाम के किस्से इतने मशहूर नहीं हुए थे, जितना उनके किस्से सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद हुए थे। एक्ट्रेस सुशांत की मौत के बाद हर जगह टीवी पर छाई थी। रिया चक्रवर्ती और सुशांत सिंह राजपूत की लव स्टोरी देश के हर इंसान को बखूबी जुबानी याद है, और हो भी क्यों न इनकी प्रेम कहानी अनोखी थी। जिसमे प्यार, ‘पैसे के हेरा फेरी’, ‘धोखा’, ‘साजिश’ के साथ ‘पागलपन’ और ड्रग्स भी शामिल थे। ठीक वैसी ही जैसे बॉलीवुड की फिल्मो में होता है। हालाकि अब रिया शरुआत रियलिटी शो रोडीज की जज बनकर करेंगी। वही बीते दिनों एक्ट्रेस ने अपने मेकअप रूम की वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया था जिसमे रिया कहती है- आपको क्या लगा. ...मैं वापिस नहीं आउंगी? डर जाउंगी डरने की बारी किसी और की है। मिलते है ऑडिशंस में।

जॉन की वजह से तीन दिनों तक रोईं थीं कटरीना

एक वक्त पर सलमान खान और जॉन अब्राहम के बीच तल्खी थी। इस तल्खी के पीछे की वजह कटरीना कैफ थीं। एक पुराने इंटरव्यू में सलमान ने कहा था कि जॉन ने 2003 में आई फिल्म साया से कटरीना को निकलवा दिया था। उनकी जगह पर एक्ट्रेस तारा शर्मा को कास्ट किया गया था। सलमान ने कहा कि इस बात को लेकर कटरीना तीन दिनों तक लगातार रोईं थीं। हालांकि इस मामले में जॉन ने भी रिएक्शन दिया था। उन्होंने कहा कि ये सभी बातें सिर्फ एक अफवाह हैं, वो खुद इंडस्ट्री में उस वक्त नए थे। दरअसल उस वक्त खबरें थीं कि अनुराग बसु की सुपर नेचुरल फिल्म साया में पहले कटरीना कैफ कास्ट होने वाली थीं, लेकिन जॉन अब्राहम के प्रेशर के बाद उन्हें इस फिल्म से रिप्लेस कर दिया गया था। कटरीना इस बात से काफी आहत हुई थीं। सलमान ने तब कहा था, कटरीना मेरे पास आकर तीन दिनों तक लगातार रोईं थीं। वो कहती थीं कि उनका करियर खत्म हो गया। उन्हें तीन दिन तक मैंने झेला था। तब मैंने कहा कि एक दिन आप बहुत आगे जाओगी। जाहिर है कि सलमान की ये बात सच साबित हुई और कटरीना आगे चलकर इंडस्ट्री की लीडिंग एक्ट्रेस बनीं। सलमान ने उस इंटरव्यू में ये भी कहा कि ये कटरीना का बड़प्पन था कि उन्होंने जॉन से कभी इस बात का बदला नहीं लिया। सलमान के मुताबिक, कटरीना चाहतीं तो जॉन को कबीर खान की फिल्म न्यूयॉर्क से हटवा सकती थीं लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया।